PCSMANTRA.COM

सम्मक्का सागर: जल-भंडारण और पड़ोसी राज्य की सहमति

समाचार-संदर्भ: 17 नवंबर 2026 | प्रकाशन: 18 नवंबर 2026 | GS-II: सहकारी संघवाद; GS-III: जल संसाधन
मुख्य परीक्षा: अंतरराज्यीय नदी परियोजनाएँ, भूमि सर्वेक्षण और पुनर्वास



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com; वास्तविक स्थल का फोटोग्राफ नहीं

खबरों में क्यों

तेलंगाना के मुख्यमंत्री **ए. रेवंत रेड्डी** ने **17 नवंबर 2026** को नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री **विष्णु देव साय** से मुलाकात की। समाचार-रिपोर्टों के अनुसार, चर्चा का प्रमुख विषय गोदावरी नदी पर **सम्मक्का सागर बैराज** को पूरी क्षमता से पानी रोकने देने के लिए छत्तीसगढ़ की **अनापत्ति प्रमाणपत्र (NOC)** प्रक्रिया था।

छत्तीसगढ़ के सरकारी जनसंपर्क विभाग ने दोनों मुख्यमंत्रियों की मुलाकात और साझा हितों पर संवाद की पुष्टि की है। परियोजना-संबंधी विस्तृत सर्वेक्षण और NOC की स्थिति समाचार-रिपोर्टों पर आधारित है। **NOC मिल जाने या परियोजना की सभी मंजूरियाँ पूरी हो जाने की खबर नहीं है।**

परियोजना कहाँ है

बैराज तेलंगाना के **मुलुगु जिले के तुपाकुलगुडेम** में गोदावरी नदी पर है। इस क्षेत्र में नदी तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के **बीजापुर जिले** के बीच प्राकृतिक सीमा बनाती है।

रिपोर्ट के अनुसार, परियोजना का कार्य 2017 में शुरू हुआ और निर्माण 2021-22 में पूरा हुआ, लेकिन पूर्ण क्षमता वाला संचालन अब भी लंबित है। यह उदाहरण बताता है कि भौतिक निर्माण पूरा होना और परियोजना का पूर्ण संचालन शुरू होना अलग अवस्थाएँ हैं।

पड़ोसी राज्य की NOC क्यों

जल-भंडारण बढ़ने से प्रभाव केवल बैराज वाले राज्य में सीमित नहीं रहता। जलाशय और पीछे की ओर बढ़े जलस्तर के कारण पड़ोसी राज्य की कृषि, राजस्व या वन भूमि प्रभावित हो सकती है।

समाचार-रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय जल आयोग ने तेलंगाना से छत्तीसगढ़ की NOC लेने को कहा, क्योंकि पूरी क्षमता पर भंडारण से छत्तीसगढ़ की भूमि डूब क्षेत्र में आ सकती है। इस विशेष पत्र की मूल प्रति स्वतंत्र रूप से प्राप्त नहीं हुई है।

मुख्य भेद: NOC एक विशिष्ट विषय पर अनापत्ति है। इसे पर्यावरण, वन, भूमि-अधिग्रहण या अन्य सभी मंजूरियों का स्वतः विकल्प नहीं मानना चाहिए।

> **यह भी पढ़ें:** गंगा जल-साझेदारी संधि: 12 दिसंबर को समाप्ति, नई शर्तों की तैयारी

सर्वेक्षण क्या बताएँगे

बैकवाटर प्रभाव आकलन: बैराज के पीछे जलस्तर कितना बढ़ सकता है और उसका भौगोलिक प्रभाव कहाँ तक जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, IIT खड़गपुर ने यह अध्ययन पूरा कर रिपोर्ट जमा की है।

भू-अभिलेखीय या कैडस्ट्रल सर्वेक्षण: प्रभावित भूखंडों की सीमाएँ, स्वामित्व और भूमि की श्रेणी समझने में सहायता करता है। इससे निजी कृषि भूमि, राजस्व भूमि और वन भूमि को अलग पहचानने में मदद मिलती है।

LiDAR सर्वेक्षण: प्रकाश स्पंदों पर आधारित दूरी-मापन तकनीक से भू-ऊँचाई का मानचित्र बनाया जाता है। ऊँचाई का सटीक डेटा संभावित जलभराव क्षेत्र समझने में उपयोगी है।

सामाजिक प्रभाव आकलन: भूमि-अधिग्रहण से लोगों, आजीविका और स्थानीय समुदाय पर पड़ने वाले प्रभावों की जाँच। खबर के अनुसार, पाँच प्रभावित ग्राम सभाओं से जुड़ी प्रक्रिया भी इस काम का हिस्सा है।

सहकारी संघवाद की कसौटी

लाभ और लागत का असमान वितरण: सिंचाई या जल-भंडारण का बड़ा लाभ एक राज्य को मिल सकता है, जबकि डूब क्षेत्र का नुकसान पड़ोसी राज्य के लोगों को उठाना पड़ सकता है।

साझा वैज्ञानिक आधार: संयुक्त सर्वेक्षण से दोनों राज्यों के बीच प्रभावित क्षेत्र और नुकसान को लेकर विवाद कम हो सकता है।

लोगों की भागीदारी: केवल सरकारों की सहमति पर्याप्त नीति-उत्तर नहीं है। प्रभावित परिवारों की पहचान, ग्राम सभा की भागीदारी और पारदर्शी मुआवजा-पुनर्वास महत्वपूर्ण हैं।

संचालन का समन्वय: जलस्तर, बाढ़ की चेतावनी और आपात सूचना साझा करने की प्रक्रिया भी सहयोग का हिस्सा होनी चाहिए। ये नीति सुझाव हैं, पहले से लागू संयुक्त समझौते का दावा नहीं।

आगे की राह

शेष सर्वेक्षण, प्रभावित भूमि और परिवारों का सत्यापित रिकॉर्ड, जिम्मेदारियों का लिखित निर्धारण और समयबद्ध मुआवजा-पुनर्वास, सहमति का भरोसेमंद आधार बन सकते हैं।

रिपोर्टों में अगले मानसून तक NOC प्रक्रिया आगे बढ़ाने का प्रयास बताया गया है। **इसे निश्चित समय-सीमा या जारी NOC न माना जाए।** इस मामले का परीक्षा-संदेश है कि नदी परियोजना की सफलता निर्माण, वैज्ञानिक आकलन और अंतरराज्यीय सहमति, तीनों पर निर्भर करती है।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. सम्मक्का सागर बैराज के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: यह गोदावरी नदी पर स्थित है।

कथन 2: इसकी पूर्ण क्षमता पर जल-भंडारण की चर्चा तेलंगाना और छत्तीसगढ़ से जुड़ी है।

कथन 3: पड़ोसी राज्य की NOC मिलना अपने आप सभी पर्यावरणीय और वन मंजूरियों के मिल जाने के समान है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (a)

कथन 1 सही है: बैराज गोदावरी पर है।

कथन 2 सही है: वर्तमान चर्चा तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के बीच है।

कथन 3 गलत है: किसी एक विषय की NOC अन्य आवश्यक वैधानिक मंजूरियों का स्वतः विकल्प नहीं है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

युग्म 1: कैडस्ट्रल सर्वेक्षण - भूखंड की सीमाएँ और स्वामित्व

युग्म 2: LiDAR - भू-ऊँचाई का मापन

युग्म 3: सामाजिक प्रभाव आकलन - प्रभावित लोगों और आजीविका पर प्रभाव

उपर्युक्त युग्मों में से कितने सही सुमेलित हैं?

PCSMANTRA.COM

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (c)

तीनों युग्म सही हैं। ये सर्वेक्षण क्रमशः भूमि की पहचान, भू-आकृति और समुदाय पर प्रभाव समझने में अलग-अलग भूमिका निभाते हैं।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

अंतरराज्यीय नदी परियोजनाओं में वैज्ञानिक सर्वेक्षण और प्रभावित समुदायों की भागीदारी सहकारी संघवाद को कैसे मजबूत कर सकती है? सम्मक्का सागर के संदर्भ में समझाइए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में:

नदी परियोजनाओं के लाभ और लागत राज्य की सीमाओं पर नहीं रुकते। सम्मक्का सागर में जल-भंडारण और पड़ोसी राज्य की भूमि पर प्रभाव का प्रश्न इसी जुड़ाव को सामने रखता है।

मुख्य भाग में:

वैज्ञानिक आधार: बैकवाटर, भू-ऊँचाई और भूखंड-स्तर के सर्वेक्षण।

संघीय सहयोग: साझा डेटा, संबंधित आयोग तथा दोनों राज्यों का संवाद।

सामाजिक न्याय: प्रभावित परिवारों की पहचान, ग्राम सभा और आजीविका का आकलन।

जवाबदेही: मुआवजा, पुनर्वास और खर्च की स्पष्ट जिम्मेदारी।

दीर्घकालिक संचालन: जलस्तर और बाढ़-चेतावनी का समन्वय।

निष्कर्ष में:

निर्माण की गति के साथ साक्ष्य, सहमति और न्यायपूर्ण पुनर्वास को जोड़ना ही टिकाऊ परियोजना-शासन है।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

सम्मक्का सागर किस नदी पर है?

यह गोदावरी नदी पर तेलंगाना के मुलुगु जिले के तुपाकुलगुडेम में है।

ROOMANTRA.COM

छत्तीसगढ़ की NOC क्यों माँगी जा रही है?

रिपोर्टों के अनुसार पूरी क्षमता पर जल-भंडारण से छत्तीसगढ़ की भूमि डूब क्षेत्र में आने की आशंका है।

क्या NOC जारी हो गई है?

उपलब्ध खबर प्रक्रिया और आगे की बातचीत की है, NOC जारी होने की नहीं।

LiDAR और सामाजिक प्रभाव आकलन में क्या अंतर है?

LiDAR भू-ऊँचाई का डेटा देता है; सामाजिक प्रभाव आकलन लोगों और आजीविका पर असर देखता है।

स्रोत

- indianexpress.com
- www.thehindu.com
- dprcg.gov.in